जैसे कि जापान, सीलोन और यूनाइटेड स्टेट्स में । लेकिन इन मुल्कों का तजुर्बा वर्षों का रहा है । इसलिए हम इस स्कीम से फायदा उठाना चाहते हैं और जो स्कीम हम अपने यहां चला रहे हैं वह सीलोन और दूसरी जगह से आई है ।

श्री विमलकुमार मन्नालाल जी चोरड़िया : माननीय मंत्री जी ने प्रश्न के उत्तर में अभी बतलाया कि यह योजना हमारे देश के लिए नयी है किन्तु उन देशों में वर्षों से चल रही है । तो ऐसी स्थिति में उन देशों के अनुभव से लाभ उठाने के लिए अपने यहां क्या प्रयास किया जा रहा है ?

श्री एस० के० पाटिल : हमारे यहां की और दूसरे मुल्कों की कंडीशन में जमीन आसमान का अन्तर है । हमारे यहां की क्लाइमेटिक कंडीशन दूसरी है और उन मुल्कों की दूसरी है । लेकिन पंजाब सरकार इस योजना पर काम करने पर तैयार हो गई है । इसलिए मैं यह बात मानता हूं कि जब हम इस स्कीम पर अमल करेंगे तो दूसरे देशों के अनुभवों को भी ध्यान में रखना चाहिये ।

SHRI RAJENDRA PRATAP SINHA: May I know if the Central Agriculture Ministry has formulated any model scheme to be given to the various States?

SHRI S. K. PATIL: Ultimately, Sir, insurance is in the Union List and therefore it has got to come to us. If it is to be made compulsory and when we choose the pockets, then naturally some farmers cannot get out of it. Everybody has got to come in and that requires legislation. By the time I am prepared to come up with that legislation, I think all these details will have been examined.

SHRI RAJENDRA PRATAP SINHA: I wanted to know if they have formulated any model scheme which could be given to the various States.

SHRI S. K. PATIL: A model scheme in final stage is not yet ready.

दिल्ली के मास्टर प्लान के सम्बन्ध में डा० बोस का वक्तव्य

*६. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान २९ मार्च, १९६२ के नवभारत टाइम्स में प्रकाशित उस समाचार की ओर गया है जिसमें आर्थिक विकास संस्था के शहरी विभाग के अध्यक्ष डा० ए० बोस ने यह कहा बताते हैं कि दिल्ली का मास्टर प्लान गलत आंकड़ों पर आधारित है और वह आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं करता; और

(ख) यदि हां, तो उनका कहना कहां तक ठीक है और इस सम्बन्ध में वास्तविक तथ्य क्या है ?

•J-[DR. BOSK'S STATEMENT ABOUT MASTER PLAN FOR DELHI

*6. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) whether tGovernment's attention has been drawn to a news item published in the Nav Bharat Times of 29th March, 1962 in which Dr. A. Bose, Head of the Urban Section of the Institute of Economic Growth, is reported to have stated that the Master Plan for Delhi is based on wrong figures and that it does not fulfil the requirements; and

(b) if so, how far his statement is correct and what are the actual facts in this regard?]

स्वास्थ्य मन्त्री (डा० सुशीला नायर): (क) जी हां । सरकार ने वह समाचार पढ़ा है ।

(ख) सरकार के विचार से प्रेस रिपोर्ट में दिया गया कथन निराधार है । इस रिपोर्ट

f[ ] English translation.

में यह बताया गया है कि १९६१ की जनगणना-प्रतिवेदन में उल्लिखित नई दिल्ली की जनसंख्या वास्तविक नहीं है, क्योंकि नगर जनसंख्या की परिभाषा में परिवर्तन होने के कारण अनेक गांवों की जनसंख्या इसमें सम्मिलित नहीं की गई। इस सम्बन्ध में यह ज्ञात हो कि दिल्ली की मास्टर प्लान सारे राजधानी-क्षेत्र, जिसमें गांव भी सम्मिलित हैं, को दृष्टि में रखते हुए तैयार की गई है। मास्टर प्लान में दिल्ली के देहाती क्षेत्रों के विकास से सम्बन्धित सिफ़ारिशें भी निहित हैं।

t[THE MINISTER OF HEALTH (DR. SUSHILA NAYAR) ; (a) Yes, Sir. Government have seen the news item.

(b) In Government's view there does not exist justification for the statement made in the Press Report. The point made in the report is that the population of New Delhi as mentioned in the 1961 census report is not realistic as the population of several villages has not been counted owing to a change in the definition of urban population. It may be stated that the Master Plan for Delhi has been drawn up taking into consideration the Metropolitan Area as a whole which includes villages also. The Master Plan also contains recommendations in regard to development of rural Delhi.]

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या माननीय मंत्री जी को यह मालूम है कि इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अरबन एरिया की डेफनिशन में बतलाया गया है कि पांच हजार तक की आबादी होनी चाहिये और आबादी का घनत्व एक हजार प्रति वर्ग मील होना चाहिये, वहां की ७५ फीसदी जनता की रोजी खेती को छोड़कर अन्य साधनों द्वारा होनी चाहिये। इस परिभाषा के हो जाने से मास्टर प्लान में बहुत से क्षेत्र शहरी क्षेत्रों में से निकल गये हैं। इसके बारे में माननीय मंत्राणी महोदया को यह कहना है ?

-j-[ ] English translation.

डा० सुशीला नायर : मैंने अभी अर्ज किया कि अरबन एरिया की डेफिनिशन बदलने से मास्टर प्लान में बहुत फर्क नहीं पड़ा है क्योंकि मास्टर प्लान मे देहात भी शामिल है और शहर अर्थात् अरबन एरिया भी शामिल है। अगर कुछ फर्क पड़ सकता है तो उसके ज़ोनिंग में पड़ सकता है लेकिन ओवरआॅल मास्टर प्लान मे इससे कोई परिवर्तन नहीं होता।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया: क्या मंत्राणी महोदया को डा० बसु ने जो स्टेटमेंट दिया है उसकी जानकारी है अथवा नहीं?

डा० सुशीला नायर : मुझे इस बारे मे कोई जानकारी नहीं है।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : क्या सरकार की ओर से उन के स्टेटमेंट के बारे में जानने का प्रयास किया गया है अथवा नहीं और डा० बसु ने जो स्टेटमेट दिया है वह कहां तक सही है और कहां तक गलत है ?

डा० सुशीला नायर : मैंने आप से अर्ज किया कि स्वास्थ्य मंत्रालय के विचार में इसमे बहुत तथ्य नहीं हैं।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया: क्या शासन यह उपयुक्त समझेगी कि डा० बसु एक जिम्मेदार आदमी हैं और उन्होंने जो स्टेटमेंट दिया है उसके बारे में जानकारी हासिल की जाय कि उनका कथन कहां तक सत्य है ?

डा० सुशीला नायर : माननीय सदस्य के सुझाव की तरफ ध्यान दिया जायेगा।

कृष्णा-गोदावरी आयोग

*७. **श्री राम सहाय** : क्या सिंचाई तथा विद्युत् मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कृष्णा और गोदावरी नदियों से उपलब्ध जलराशि से और अधिक मांग की कहां तक पूर्ति हो सकती है इस बात का निश्चय